13

# अनमोल दोहे

**पठन से पूर्व**

दोहे दो पंक्तियों की ऐसी रचना हैं, जिनमें बड़ी से बड़ी बात भी कम शब्दों में कह दी जाती है, साथ ही उसे सिद्ध करने के लिए कोई अच्छा-सा उदाहरण दिया जाता है। दोहों में जीवन के अनुभवों का सार निहित होता है। विद्वान व संत कवियों द्वारा लिखित दोहे हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

**पाठ-परिचय**

रहीम का पूरा नाम अब्दुल रहीम खानखाना था। उनके दोहों में नीतिपरक बातें कही गई हैं, जो विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण के लिए अति महत्त्वपूर्ण हैं। परिश्रम करना, सोच-समझकर बोलना, अभ्यास करते रहना, प्रेम संबंधों को बनाए रखना तथा बड़ों की तरह छोटों को भी महत्त्व देना इनके दोहों के प्रमुख संदेश हैं।

**चर्चा क...**

बच्चों को दोहों के ...
से परिचित कराएँ। ...
दोहों के संदेशों के ...
बच्चों से बातचीत क...
ही उन्हें अपने ...
उतारने के लिए प्रे...

विद्या धन उद्यम बिना, कहो जु पावै कौन।
बिना डुलाए ना मिले, ज्यों पंखे की पौन।।1।।

बोली एक अमोल है जो कोई बोलै जानि।
हिये तराजू तोल के, तब मुख बाहर आनि।।2।।

करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत-जात ते, सिल पर परत निसान।।3।।

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरो चटकाय।
टूटे ते फिर न जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।।4।।

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजै डारि।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तलवारि।।5।।

– रहीम



## मौखिक प्रश्न

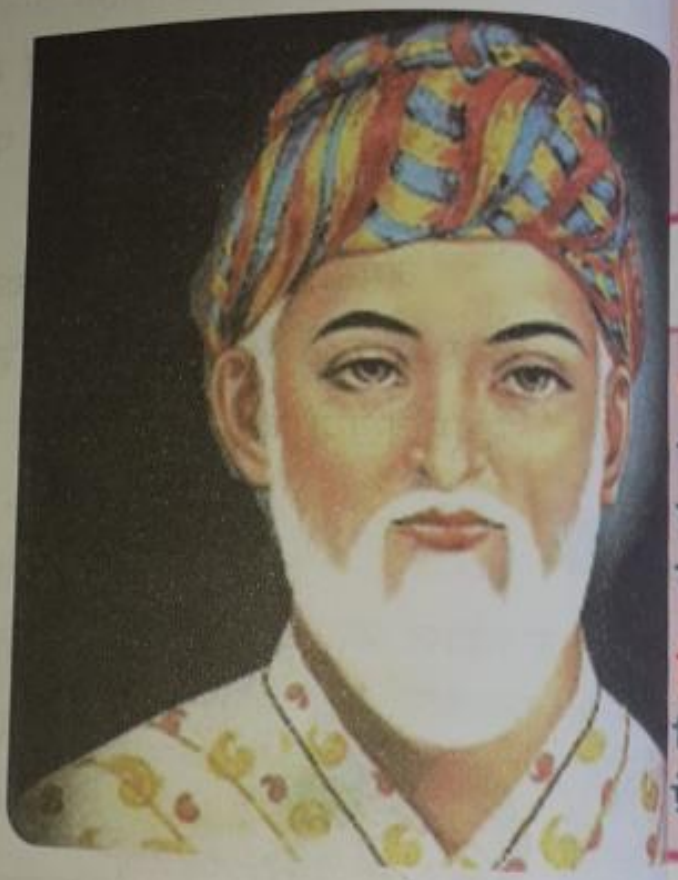

1. पंखे की हवा पाने के लिए हमें क्या करना पड़ता है?
2. बोली को मुख के बाहर कब निकालना चाहिए?
3. सिल पर निशान कैसे पड़ जाते हैं?
4. रहीम के अनुसार सुई जैसी तुच्छ वस्तुएँ हमारे लिए महत्त्वपूर्ण क्यों हैं?

# शब्दार्थ

उद्यम = प्रयत्न, परिश्रम (effort)
पावै = प्राप्त करना (to gain, to achieve)
पौन = पवन, हवा (air)
अमोल = पवन, हवा (valuable, precious)
हिये = हृदय (heart)
जड़मति = मूर्ख (foot)
सुजान = चतुर, ज्ञानी (wise)
सिल = पत्थर की चौकोर पटिया जिससे मसाला पीसा जाता था (a flat piece of stone which is used for grinding )

रसरी = रस्सी (rope)
निसान = निशान, चिह्न (mark)
चटकाय = चटकाना, झटके से तोड़ना (to crack, to break)
गाँठ = गठरी, धागे जोड़ने से पड़ी हुई गिरह (knot)
बड़ेन = बड़ा (great, large)
लघु = छोटा (small)
डारि = छोड़ना (give up)

(ङ) कवि रहीम ने सुई और तलवार

2. **प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए।**

(क) विद्या रूपी धन पाने के लिए क्या करना चाहिए?

(i) आराम ☐ (ii) परिश्रम ☑ (iii) नकल ☐

(ख) हमें कैसी बोली बोलनी चाहिए?

(i) जो दूसरों को अच्छी लगे ☑ (ii) जो स्वयं को अच्छी लगे ☐

(iii) जो किसी को अच्छी नहीं लगे ☐

(ग) मूर्ख व्यक्ति बुद्धिमान कैसे बनता है?

(i) आराम करने से ☐ (ii) नियमित अभ्यास करने से ☑

(iii) कल्पना करने से ☐

(घ) सूई की जगह क्या काम नहीं कर सकता?

H.W

(i) डंडा ☐ (ii) बंदूक ☐ (iii) तलवार ☑

3. **दोहों की पंक्तियाँ पूरी कीजिए।**

(क) करत-करत अभ्यास ________________।

________________ निसान।।

(ख) रहिमन देखि ________________।

________________ तलवारि।।



## शब्द-कौशल

Vocabulary

1. **नीचे दिए गए शब्दों के मानक रूप लिखिए।**

H.W

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पौन | – | पवन | रसरी | – | रस्सी |
| बड़ेन | – | बडो | देखि | – | देखा |
| तलवारि | – | तलवार | निसान | – | निशान |

Rajshree
PAGE NO:
DATE:

# पाठ 13 अनमोल दोहे

मौखिक प्रश्न

प्रश्न 1 पंखे की हवा पाने के लिए हमें क्या करना पड़ता है?

उत्तर पंखे की हवा पाने के लिए भी हमें परिश्रम करना पड़ता है क्योंकि बिना हिलाए हाथों से पंखा भी हवा नहीं देता है।

प्रश्न 2 बोली को मुख के बाहर कब निकालना चाहिए?

उत्तर बोली को मुख के बाहर सोच-समझकर ही निकालना चाहिए।

प्रश्न 3 सिल पर निशान कैसे पड़ जाते हैं?

उत्तर कुएँ से पानी निकालते समय रस्सी के बार-बार आने जाने से पत्थर पर निशान पड़ जाते हैं।

प्रश्न 4 रहीम के अनुसार सुई जैसी तुच्छ वस्तुएँ हमारे लिए महत्वपूर्ण क्यों हैं?

उत्तर रहीम के अनुसार सुई जैसी वस्तु भी हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सुई से कपड़े सिले जाते हैं।

प्रश्न 5 विद्या रूपी धन की प्राप्ति कैसी होती है?

उत्तर विद्या रूपी धन की प्राप्ति परिश्रम से होती है।

प्रश्न 6 हमें बोलने से पहले किसका विचार करना चाहिए?

उत्तर हमें बोलने से पहले अपनी बोली पर विचार करना चाहिए।

प्रश्न 7 नियमित अभ्यास करने के क्या फायदे हैं?

उत्तर नियमित अभ्यास करने से मूर्ख व्यक्ति भी बुद्धिमान बन जाता है।

प्रश्न 8 प्रेम रूपी धागे के टूटने का क्या परिणाम होता?

उत्तर प्रेम रूपी धागे के टूटने पर रिश्तों में दरार आ जाती है।

प्रश्न 9 कवि रहीम ने सुई और तलवार का उदाहरण देकर क्या बताया है?

उत्तर कवि रहीम ने सुई और तलवार का उदाहरण देकर यह बताया है कि बड़ो को देखकर छोटो को नहीं छोड़ना चाहिए।